As per the NEP 2020

Hindi

(Minor Syllabus)

(Effective from Academic Year 2024-2025 onwards)

Pandit Deendayal Upadhyaya Shekhawati University

Sikar (Rajasthan) 332024

E-mail: reg.shekhauni@gmail.com

Website: www.shekhauni.ac.in

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

Semester	Course Code	Course Title	Contact Hrs per Week			Credits	Weightage (%)		
			L	T	P		CWS	MTE	ETE
I	24BHL5101M	प्रयोजनमूलक हिन्दी	2	0	0	2	10	20	70
II	24BHL5201M	हिन्दी भाषा एवं संप्रेषण कौशल	2	0	0	2	10	20	70
III	24BHL6301M	राजस्थानी भाषा और साहित्य	4	0	0	4	10	20	70
IV	24BHL6401M	हिन्दी सिनेमा और साहित्य	4	0	0	4	10	20	70
V	24BHL7501M	हिंदी भाषा :उद्भव, विकास एवं राजभाषा हिंदी	4	0	0	4	10	20	70
VI	24BHL7601M	हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण	4	0	0	4	10	20	70
VI	24BHL7602M	सोशल मीडिया और हिंदी	4	0	0	4	10	20	70

Semester – I

उद्देश्यः

भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का संबंध हमारी सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज – सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्वों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कार्मिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी रोजगार मिलने की संभावना रहती है।

Course Title:	प्रयोजनमूलक हिन्दी	Course Code: 24BHL5101M
Total Lecture hour 30		**Hours**
Unit I	हिन्दी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप– क. हिन्दी भाषा के विविध रूप–सामान्य भाषा, मातृभाषा, माध्यम भाषा, सम्पर्क भाषा, अन्तर्राष्ट्रीय भाषा। ख. प्रयोजनमूलक हिन्दीः परिभाषा एवंस्वरूप, प्रयोजनमूलक हिन्दी की विभिन्न प्रयुक्तियां।	8
Unit II	क. सरकारी पत्राचारः स्वरूप, प्रकार, प्रारूप– परिपत्र, ज्ञापन कार्यालय आदेश, अर्द्ध सरकारी पत्र। ख. व्यावसायिक पत्रलेखनः स्वरूप, प्रकार, प्रारूप–आवेदनपत्र, नियुक्ति पत्र, मांगपत्र, साख पत्र, शिकायत पत्र।	8
Unit III	कम्प्यूटरः परिचय, रूपरेखा, हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का सामान्य परिचय, वेब पब्लिशिंग, इंटरनेट का सामान्य परिचय, हिन्दी में उपलब्ध सुविधाओं का परिचय और उपयोग विधि, इंटरनेट पोर्टल, डाउन लोडिंग–अपलोडिंग, लिंक ब्राउजिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज आदि।	8
Unit IV	हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।	6
अनुशंसित ग्रंथः		
1.	प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. दंगल झाल्टे	
2.	कामकाजी हिन्दी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया	
3.	अनुवादः सिद्धांत व्यवहार – जयंती प्रसाद नौटियाल	
4.	प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी– डॉ. ओमप्रकाश सिंहल	
5.	प्रशासनिक हिन्दीः टिप्पण, प्रारूपण और पत्र लेखन – डॉ. हरिमोहन	

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

Semester – II

उद्देश्यः

प्रयोजनमूलक हिन्दी व व्यावहारिक प्रयोग के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. विविध क्षेत्रों में हिन्दी भाषा के स्वरूप एवं प्रयोग की जानकारी
2. हिन्दी भाषा में लेखन कौशल और संप्रेषण में सक्षम।

Course Title:	हिन्दी भाषा एवं संप्रेषण कौशल	**Course Code: 24BHL5201M**
Total Lecture hour 30		**Hours**
Unit I	हिन्दी भाषा का परिचय एवं हिन्दी भाषा के विधि रूप (राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, राज भाषा, मानक भाषा एवं अन्य रूप)	**8**
Unit II	हिन्दी भाषा के प्रयोग एवं चुनौतियां, सम्प्रेषण के विविध रूप(साक्षात्कार, भाषा, संवाद, समूहिक चर्चा आदि)	**8**
Unit III	देवनागरी लिपि का मानकीकरण, हिन्दी की महत्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाएं	**8**
Unit IV	व्यावसायिक क्षेत्र की हिन्दी, व्यावहारिक लेखन कौशल	**6**

अनुशंसित ग्रंथः

1.	व्यावहारिक राजभाषा कोश – दिनेश चामोला
2.	प्रयोजनमूलक हिन्दी – रघुनंदन प्रसाद शर्मा
3.	रचनात्मक लेखन – रमेश गौतम
4.	टेलीविजन लेखन – असगर वजाहत और प्रभात रंजन
5.	संचार भाषा हिन्दी – सूर्यप्रसाद दीक्षित
6.	ब्रेक के बाद – सुधीश पचौरी
7.	जनसंचार माध्यम – भाषा और साहित्य – सुधीश पचौरी

Semester – III

Course Title:	राजस्थानी भाषा और साहित्य	**Course Code: 24BHL6301M**
Total Lecture hour 30		**Hours**
Unit I	क. राजस्थानी भाषाः उद्भव और विकास ख. राजस्थानी भाषा की बोलियां	**8**
Unit II	क. राजस्थानी साहित्य का विकास ख. राजस्थानी साहित्य की प्रमुख विधाएं एवं प्रवृतियां	**8**
Unit III	राजस्थानी के प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं	**8**
Unit IV	वीर सतसई– सूर्यमल्ल मिश्रण (1 से 25 छंद)	**6**

अनुशंसित ग्रंथः

1.	डॉ. मोतीलाल मेनारियाः राजस्थानी भाषा और साहित्य, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2.	राजस्थानी वेलि साहित्य – नरेन्द्र भानावत
3.	हाड़ौती बोली और साहित्य – कन्हैयालाल शर्मा
4.	राजस्थान के लोकगीत – स्वर्णलता अग्रवाल
5.	राजस्थानी भाषा और साहित्य – मोतीलाल मेनारिया

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

Semester – IV

उद्देश्यः

1. हिन्दी सिनेमा और साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।
2. हिन्दी सिनेमा और साहित्य के प्रस्तुति माध्यमों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल

1. सिनेमा और साहित्य के अंर्तसंबंध की सैद्वांतिक समझ विकसित कर सकेंगे।
2. तकनीक को जान–समझकर इस क्षेत्र में रोजगार की ओर बढ़ेंगे, साथ ही विद्यार्थियों में कौशल विकसित होगा।
3. सिनेमा और साहित्य जगत के विश्लेषण की क्षमता पैदा होगी।

Course Title:	हिन्दी सिनेमा और साहित्य	**Course Code: 24BHL6401M**
Total Lecture hour 30		**Hours**
Unit I	सिनेमा का स्वरूप, भारतीय सिनेमा का उद्भव, दर्शक और चित्रपट का संबंध, सिनेमा के प्रकार – कथात्मक, प्रयोगात्मक और दस्तावेज	**8**
Unit II	सिनेमा का इतिहास, सिनेमा का आरंभिक युग साठ के दशक और उसके बाद का न्यू वेब सिनेमा, इन्टरनेट और सिनेमा	**8**
Unit III	दूरदर्शन और साहित्य का संबध (गोदान के विशेष संदर्भ में)	**8**
Unit IV	साहित्यिक कृतियों पर बनी हिन्दी फिल्में और उनका समाज पर प्रभावः, तीसरी कसम (1966), शतरंज के खिलाड़ी (1977), रजनीगंधा (1974)	**6**

अनुशंसित ग्रंथः

1.	लेखक का सिनेमा – कुंवर नारायण
2.	पटकथा – मनोहर श्याम जोशी
3.	हिन्दी सिनेमा–सदी का सफर – अनिल भार्गव
4.	सिनेमा और साहित्य – सुनील कुमार तिवारी
5.	सिनेमा और समाज– पूरणचंद टंडन
6.	भारतीय सिनेमा का सफरनामा – जयसिंह
7.	सिनेमा का समय और इतिहास – संजीव श्रीवास्तव
8.	सिनेमा का जादुई सफर – प्रताप सिंह
9.	दो गुलफामों की तीसरी कसम – अनंत (केकत प्रकाशन)
10.	यही सच है – मन्नू भंडारी

Semester – V

हिंदी भाषाः उद्भव, विकास एवं राजभाषा हिंदी

Course Objectives:

1. हिंदी भाषा के उद्भव, विकास एवं हिंदी की उपभाषाओं एवं बोलियों का ज्ञान कराना।
2. राजभाषा हिंदी के स्वरूप एवं क्षेत्र की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
3. विद्यार्थी राजभाषा हिंदी की अवधारणा, आंतरिक एकता और भाषिक संरचना सहित संविधान में राजभाषा हिंदी के प्रयोग संबंधी प्रावधानों से परिचित हो सकेंगे।
4. विद्यार्थी राजभाषा हिंदी के विविध आयामों तथा हिंदी भाषा के विविध रूपों से अवगत हो सकेंगे।

Course Outcomes:

1. विद्यार्थियों को राजभाषा हिंदी के स्वरूप एवं क्षेत्र की जानकारी प्राप्त होगी।
2. विद्यार्थी राजभाषा हिंदी की अवधारणा, आंतरिक एकता और भाषिक समन्वय सहित संविधान में राजभाषा हिंदी के प्रयोग संबंधी प्रावधानों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी राजभाषा हिंदी के विविध आयामों तथा हिंदी भाषा के विविध रूपों से अवगत होगें।
4. विद्यार्थियों के राजभाषा हिंदी सम्बन्धी अनुप्रयोग तथा राजभाषा के विभिन्न क्षेत्रों का ज्ञान प्राप्त होगा।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University

Course Title:	हिंदी भाषा: उद्भव, विकास एवं राजभाषा हिंदी	Course Code: 24BHL7501M

Total Lecture hour 60		Hours
Unit I	हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास, हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ	15
Unit II	राजभाषा हिंदी:अर्थ एवं परिभाषा, राजभाषा की अवधारणा, राजभाषा के विकास से संबंधित संस्थाएँ, आठवीं अनुसूची, राजभाषा हिंदी के विकास के उपाय	15
Unit III	राजभाषा हिंदी से संबंधित संवैधानिक प्रावधानः अनुच्छेद 120, अनुच्छेद 210, अनुच्छेद 343 से 351 तक, राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयनः राष्ट्रपति के आदेश, राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम	15
Unit IV	राजभाषा संकल्प, राजभाषा विभाग, संसदीय राजभाषा समिति, राजभाषा आयोगः गठन एवं सिफारिशें, राजभाषा के विभिन्न क्षेत्र, राजभाषा के रूप में हिंदी की भूमिका एवं चुनौतियाँ, राजभाषा हिंदी में नवाचार	15

अनुशंसित ग्रंथः

1. राजभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. राजभाषा हिन्दी– गोविन्ददास – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
3. हिन्दी भाषा – हरदेव बाहरी
4. हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
5 हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
6. राजभाषा हिन्दी विकास के विविध आयाम – डॉ. मलिक मुहम्मद
7. राजभाषा सन्दर्भ और प्रशासनिक हिन्दी– छबिल कुमार मेहर
8. हिंदी भाषा: उद्भव, विकास एवं मानक रूप – डॉ. राजेंद्र कुमार सिंघवी

Semester – VI

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

Course Objectives

1. भाषा के अर्थ एवं महत्त्व को समझाना।
2. भाषा एवं व्याकरण के संबंधों का ज्ञान करना।
3. हिंदी व्याकरण का सामान्य ज्ञान करना।

Course Outcomes

1. भाषा एवं व्याकरण की समझ विकसित हो सकेगी।
2. हिंदी व्याकरण के व्यावहारिक उपयोग के बारे में ज्ञान हो सकेगा।
3. हिंदी व्याकरण के ज्ञान से विद्यार्थियों में संरचनात्मक कौशल की अभिवृद्धि होगी।

Course Title	हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण	Course Code: 24BHL7601M

Total Lecture hour: 60		
Unit I	भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ। व्याकरण की परिभाषा, महत्त्व, भाषा और व्याकरण का अंत :संबंध, वर्ण विचार, शब्द– शुद्धि	15
Unit II	शब्द–भेद –व्युत्पत्ति के आधार पर –तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी विकारी शब्द– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया व्याकरणिक कोटियाँ–लिंग, वचन, कारक, काल	15
Unit III	शब्द निर्माण–संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ, अपठित गद्यांश	15
Unit IV	वाक्य विचार –अर्थ एवं परिभाषा, वाक्य के अंग, रचना के आधार पर वाक्य भेद, वाक्यगत अशुद्धियाँ, विराम चिह्न।	15

Reference and Reading Books:

1. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु
3. हिंदी शब्दानुशासन– किशोरीदास वाजपेयी
4. हिंदी भाषा की संरचना– भोलानाथ तिवारी
5. हिंदी व्याकरण– एन.सी.ई.आर.टी.
6. व्यावहारिक सामान्य हिंदी – डॉ. राघव प्रकाश

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

7. हिंदी शब्द–अर्थ– प्रयोग– डॉ.हरदेव बाहरी
8. सामान्य हिंदी–डॉ राजेंद्र कुमार सिंघवी, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी

सोशल मीडिया और हिंदी

Course Objectives

1. सोशल मीडिया के अभिप्राय एवं महत्त्व को समझाना।
2. विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से परिचित कराना।
3. सोशल मीडिया और हिंदी भाषा के पारस्परिक संबंधों के ज्ञान में अभिवृद्धि कराना।

Course Outcomes

1. सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रयोग की समझ विकसित होगी।
2. सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों के ज्ञान से विद्यार्थियों में संरचनात्मक कौशल की अभिवृद्धि हो सकेगी।
3. सोशल मीडिया माध्यमों में हिंदी भाषा के अधिकाधिक प्रयोग की प्रवृत्ति में अभिवृद्धि होगी।

Course Title	सोशल मीडिया और हिंदी	Course Code: 24BHL7602M
Total Lecture hour 60		
Unit I	सोशल मीडिया. संकल्पना स्वरूप और प्रभाव, सोशल मीडिया की परिभाषा प्रकृति और वर्गीकरण ;जैसेः फेसबुक ट्विटर, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि सोशल मीडिया की विशेषताएं एवं दुष्प्रभाव।	**15**
Unit II	हिंदी भाषा की डिजिटल उपस्थिति और प्रयोग, सोशल मीडिया में प्रयुक्त हिंदी की विशेषताएँ और लोकप्रियता, हिंदी का ब्लॉगिंग, पॉडकास्टिंग, यूट्यूबिंग एवं डिजिटल पत्रकारिता में उपयोग।	**15**
Unit III	सोशल मीडिया की भाषा –शैली, हिंदी भाषा का सोशल मीडिया में उपयोग, संक्षिप्तता, संवादात्मकता, ट्रेंडिंग शब्दों का प्रयोग, इमोजी, मीम्स के माध्यम से अभिव्यक्ति के नए रूप।	**15**
Unit IV	सोशल मीडिया के माध्यम से हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार की संभावनाएँ सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा के सामने आने वाली समस्याएँ– अशुद्धियाँ ट्रोलिंग एवं फेक न्यूज़ हिंदी भाषा का बाज़ारीकरणः कंटेंट, क्रिएशन, ब्रांडिंग, इनफ्लुएंसर, संस्कृति।	**15**
Reference and Reading Books 1. सोशल मीडिया – योगेश पटेल 2. मीडिया भूमंडलीकरण और समाज – सं. संजय द्विवेदी 3. मीडिया की बदलती भाषा– अजय कुमार 4. मीडिया समग्र खंड– जगदीश्वर चतुर्वेदी 5. मीडिया की सामाजिक सरोकार– कालूराम परिहार		

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)